कोटद्वार, बुधवार
16 जुलाई 2025
वर्षः 47
अंकः 78 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सड़क हादसे में चालक की मौत

रुड़की। नारसन खुर्द मुख्य मार्ग पर सोमवार देर रात मिनी लोडर और ट्रैक्टर ट्राली की भिड़ंत हो गई। हादसे में मिनी लोडर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए ले अस्पताल भिजवाया गया, जहां रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। हाईवे पर सोमवार आधी रात के बाद एक मिनी लोडर मुजफ्फरनगर की तरफ से हरिद्वार की तरफ जा रहा था। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रहे हैं एक ट्रैक्टर ट्राली से लोड़र की सीधी टक्कर हो गई। जिसमें 24 वर्षीय लोडर चालक विष्णु पुत्र राधा शरण निवासी मोहन गार्डन, उत्तम नगर, पश्चिम दिल्ली गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने उसे रुड़की अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बताया गया है कि घायल ने रास्ते में एंबुलेंस में ही दम तोड़ दिया। नारसन पुलिस चौकी प्रभारी हेमदत्त भारद्वाज ने बताया कि हादसे में घायल वाहन चालक की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस चौकी में खड़ा करने के साथ ही घटना की सूचना मृत के परिजनों को दे दी है। शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। तहरीर मिलने पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

नैटवाड़–सांकरी मोटर मार्ग बंद होने से 22 गांव का मोरी बाजार से संपर्क कटा

उत्तरकाशी। मोरी ब्लॉक स्थित गोविन्द वन्य जीव बिहार पार्क क्षेत्र को जोड़ने वाला नैटवाड़–सांकरी मोटर मार्ग फपराला खड्ड के पास भूधंसाव होने के कारण सोमवार शाम को बंद हो गया। जिससे मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हो गई है। मार्ग बंद होने से 22 गांव का मोरी तहसील मुख्यालय और बाजार से संपर्क कट गया है। जिले में गत दिनों से निरंतर हो रही बारिश से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। यहां सोमवार शाम को हुई बारिश के कारण फपराला खड्ड के पास भूधंसाव हो गया। इससे मोरी–नैटवाड़–सांकरी मोटर मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। जिससे क्षेत्र के सांकरी, जखेल, फिताड़ी, लिवाड़ी, कासला, रेक्ला, हरपूरी, राला, सुनकुंडी, सावणी धारा सहित 22 गांव की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। जिससे ग्रामीणों को तहसील मुख्यालय पहुंचने में परेशानी उठानी पड़ रही है। लोनिवि के सहायक अभियंता गोविंद सिंह रावत ने बताया कि मार्ग खोलने में विभाग की मशीन लगी हुई है। जिसे वाहनों की आवाजाही के लिए जल्द खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

जल खंडित होने पर बिफरे कांवड़ियों ने किया पथराव, दो गिरफ्तार

हरिद्वार(आरएनएस)। कांवड़ यात्रा के दौरान सोमवार देरशाम को उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब दिल्ली–हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–334) पर रोहालकी फ्लाईओवर के पास जल खंडित होने से आक्रोशित कांवड़ियों ने हाईवे को पूरी तरह जाम कर दिया। पुलिस ने जब जाम हटाने की कोशिश की तो कांवड़ियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया। इस दौरान आसपास से गुजर रहे कई वाहन भी चपेट में आ गए। पुलिस ने भीड़ को खदेड़ कर दो उपद्रवियों को गिरफ्तार किया।

कार से 12 पेटी अवैध शराब बरामद, चालक फरार

अल्मोड़ा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब तस्करों पर पुलिस शिकंजा कस रही है। एसएसपी अल्मोड़ा देवेन्द्र पींचा के निर्देश पर जिलेभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को कोतवाली पुलिस ने एक रेस्टोरेंट में शराब पिलाते एक व्यक्ति को रंगे हाथ पकड़ा, वहीं रात में अवैध शराब से भरी कार भी बरामद की गई।

अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह और सीओ अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक योगेश चंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस ने पहले सब्जी मंडी के पास राजू जनरल स्टोर के समीप भूपेंद्र सिंह (48 वर्ष), निवासी खोल्टा, अल्मोड़ा को उसके रेस्टोरेंट में अवैध रूप से शराब पिलाते हुए पकड़ लिया। उसके कब्जे से तीन बोतल अंग्रेजी शराब, दो क्वार्टर अंग्रेजी शराब और दो बोतल देशी माल्टा बरामद की गई।

ड्रैगन कैप्सूल से बाहर निकले शुभांशु शुक्ला

18 दिन बाद स्पेस से हुई सफल वापसी, पीएम मोदी ने जताई खुशी

नई दिल्ली ,शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्री 18 दिन बाद स्पेस से पृथ्वी पर लौट आए हैं। 23 घंटे के सफर बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ने कैलिफोर्निया के समुद्र पर लैंड किया। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैप्टन शुभांशु शुक्ला की सकुशल वापसी पर हर्ष जताया है।

उन्होंने अंतरिक्ष से धरती पर लौटने की इस यात्रा को मील का पत्थर करार दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म के जरिए कहा, मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है। वहीं, स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ड्रैगन के सुरक्षित उतरने की पुष्टि हो गई है । एस्ट्रोपैगी, शक्स, एस्ट्रोस्लावोज़ और टिबी, पृथ्वी पर आपका स्वागत है! शुभांशु शुक्ला, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज़ उज़ूनान्स्की–विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर रवाना हुए थे। वह राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बने हैं।

राकेश शर्मा ने यह यात्रा 1984 में की थी। जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वातावरण में लौट रहा था, तो 18 मिनट का डी–ऑर्बिट बर्न हुआ, जो प्रशांत महासागर के ऊपर हुआ।

केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी फिलहाल टली, यमन में अंतिम प्रयास जारी

नई दिल्ली ,यमन में भारतीय नागरिक निमिषा प्रिया की फांसी टल गई है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब निमिषा की फांसी बुधवार यानी 16 जुलाई को तय थी। मंगलवार को सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' के वकील सुभाष चंद्रन ने निमिषा की फांसी के टलने की जानकारी दी। केरल की रहने वाली नर्स निमिषा प्रिया को यमन में एक हत्याकांड में मौत की सजा सुनाई गई थी। वकील सुभाष चंद्रन ने कहा, निमिषा की फांसी को फिलहाल टाला गया है। कोई नई तारीख निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि निमिषा प्रिया को अभी बचाया जा सकता है।

सुभाष चंद्रन ने बताया, अधिकारियों की मौजूदगी में मृतक व्यक्ति के परिवार के साथ लगातार बात हो रही है। फांसी टलने के बाद अब उस परिवार को राजी करने के लिए और समय मिलेगा। वकील सुभाष चंद्रन के मुताबिक, निमिषा प्रिया के मामले में भारत सरकार ने भी सहयोग किया है। अटॉर्नी जनरल ने बताया है कि वे अपने चैनल्स के जरिए यमन के अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं।

जम्मू–कश्मीर के डोडा में दर्दनाक हादसा

टेंपो ट्रैवलर के खाई में गिरने से 3 लोगों की मौत

डोडा ,जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। इस हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत होने की सूचना है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए डोडा के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) ले जाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को डोडा–बराथ मार्ग पर पोंडा इलाके में यह सड़क हादसा हुआ। एक टेंपो ट्रैवलर सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना के समय वाहन में कई यात्री सवार थे। इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और राहत एवं बचाव टीम मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस टीम ने शवों और घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया। अब तक 3 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि, इस दुर्घटना में मौतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कुछ लोगों की स्थिति गंभीर है। उनका फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। इधर, घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी जारी है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सड़क दुर्घटना की पुष्टि की है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म 'एक्सइ पर एक पोस्ट में लिखा, डोडा शहर से लगभग 20 से 25 किलोमीटर दूर बराथ गांव के पास एक निजी टेंपो सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर अभी–अभी डोडा के डीसी हरविंदर सिंह से बात की। अब तक 3 लोगों के हताहत होने की सूचना है, 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा, घायलों को हर संभव सहायता और चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। डीसी व्यक्तिगत रूप से पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं और मुझे नियमित अपडेट दे रहे हैं। आवश्यकतानुसार आगे भी सहायता प्रदान की जाएगी। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

आपातकालीन सेवाओं के लिए एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराएं केंद्र सरकार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से नई दिल्ली में की शिष्टाचार भेंट

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से उत्तराखण्ड में एम्स ऋषिकेश से संचालित एयर एम्बुलेंस सेवा के विस्तार के साथ ही राज्य के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं के लिए एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रति एसईसीसी परिवार केंद्रीय योगदान को 1,052 से बढ़ाकर 1,500 करने का आग्रह करने के साथ ही चार धाम यात्रा में एम्स के विशेषज्ञों के योगदान और स्नातकोत्तर डॉक्टरों के रेजिडेंसी में यात्रा ड्यूटी सम्मिलित करने के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में दो नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसी क्रम में जगजीवन राम मेडिकल कॉलेज, पिथौरागढ़ और पं. राम सुमेर शुक्ल मेडिकल कॉलेज, रुद्रपुर, शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शिक्षण कार्य प्रारंभ करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन/भारत सरकार के पास आवेदन करेंगे। मुख्यमंत्री ने इन दोनों मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए आवश्यक मंजूरी प्रदान करने के साथ ही टीएचडीसी के सहयोग से निर्माणाधीन टिहरी मेडिकल कॉलेज की भी आवश्यक अनुमतियां शीघ्र प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर की स्थापना और उसके सुचारू संचालन के लिए भारत सरकार से तत्काल सहायता का अनुरोध किया। उन्होने कहा कि यह पहल न केवल स्थानीय आबादी के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि चार धाम यात्रा मार्गों और आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों से गुजरने वाले तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों के लिए भी जीवन रक्षक साबित होगी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को हर सम्भव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

जल सीमा के अतिक्रमण पर 34 भारतीय मछुआरे बांग्लादेश में गिरफ्तार

काकद्वीप ,बांग्लादेशी नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय जल सीमा का उल्लंघन करके बांग्लादेश में घुसने के आरोप में 34 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। रविवार रात, दो भारतीय ट्रॉलर मोंगला बंदरगाह के पास भारतीय जल सीमा का उल्लंघन करके बांग्लादेश में घुस आए। इसके बाद, बांग्लादेशी नौसेना ने भारतीय मछुआरों को पकड़ लिया। दोनों ट्रॉलरों के नाम एफबी झार और एफबी मंगल चांदी बताए जा रहे हैं और ये दक्षिण 24 परगना जिला के काकद्वीप के हैं। इस संबंध में काकद्वीप मछुआरा यूनियन के सचिव सतीनाथ पात्रा ने कहा कि हाल ही में भारत और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ गया है और उसके कारण बांग्लादेश की नौसेना काफी सक्रिय भूमिका में है। बांग्लादेशी और भारतीय मछुआरे अंतरराष्ट्रीय जल सीमा के पास मछली पकड़ते हैं, कभी–कभी दोनों देशों के मछुआरे जल सीमा का अतिक्रमण कर जाते हैं। ये सभी मछुआरे पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सुंदरबन क्षेत्र के निवासी हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि-सीएम योगी

लखनऊ,सावन महीने में कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय बैठक की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धा, सुरक्षा और सेवा के संकल्प के साथ कांवड़ यात्रा का संचालन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित होनी चाहिए और इसमें किसी प्रकार का विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कांवड़ यात्रा मार्ग पर साफ–सफाई, सुरक्षा और चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। महिला श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सीएम योगी ने विशेष निर्देश दिए कि महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम हों तथा महिला पुलिस बल की प्रभावी तैनाती की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से सूचनाओं का प्रचार–प्रसार किया जाए और शिवभक्तों की भावना के अनुरूप शिव भजन भी बजाए जाएं, जिससे श्रद्धालु भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से जुड़ाव महसूस करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की जाए। उन्होंने खुफिया तंत्र को पूरी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या अराजकता की कोशिश को समय रहते रोका जा सके।

अमरनाथ यात्रा : 2.20 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर ,अमरनाथ यात्रा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पिछले 12 दिनों में 2.20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। इसके साथ ही मंगलवार को जम्मू से 6,388 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए कश्मीर रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक 2.20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को भगवती नगर यात्री निवास से 6,388 यात्रियों का एक और जत्था दो काफिलों में कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। पहला काफिला, जिसमें 103 वाहनों में 2,501 यात्री थे, सुबह 3:26 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए निकला। दूसरा काफिला, जिसमें 145 वाहनों में 3,887 यात्री थे, सुबह 4:15 बजे नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में जम्मू–कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। अधिकारियों ने कहा कि बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस शिविरों से यात्रियों को पवित्र गुफा की ओर जाने की अनुमति मौसम की स्थिति देखने के बाद ही दी जाएगी। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी।

कावड़ मेले में अनियमित डीजे पर कार्रवाई

रुड़की। पुलिस ने कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे की ऊंचाई और चौड़ाई के मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया है। लिबरहेड़ी हाईवे पर लगभग एक दर्जन डीजे वाहनों को रोककर उनके स्पीकर और अन्य उपकरण हटवाए गए। साथ ही डीजे स्वामियों को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई कि वे निर्धारित मानकों का पालन करें। मंगलवार को लिबरहेड़ी हाईवे पर आयोजित विशेष जांच अभियान के दौरान पुलिस ने एक दर्जन से अधिक डीजे को रोका। जांच में पाया गया कि कई डीजे निर्धारित मानकों से अधिक ऊंचाई और चौड़ाई के थे, जो यातायात और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते थे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इन डीजे के स्पीकर और अन्य अनधिकृत उपकरणों को वाहनों से हटवाया। पुलिस ने डीजे स्वामियों को सख्त चेतावनी दी है कि वे केवल निर्धारित मानकों के अनुसार ही डीजे का उपयोग करें।

ओडिशा : छात्रा की मौत के बाद कांग्रेस ने किया 'बंद' का आह्वान

राहुल गांधी ने सिस्टम को बताया दोषी

नई दिल्ली/भुवनेश्वर ,बालासोर में छात्रा की मौत के बाद कांग्रेस ने ओडिशा में 17 जुलाई को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। यौन उत्पीड़न की शिकार छात्रा ने 12 जुलाई को आत्मदाह की कोशिश की। गंभीर स्थिति होने के कारण तीन दिन बाद छात्रा की मौत हो गई है। कांग्रेस ने छात्रा की मौत के बाद ओडिशा की भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष भक्त चरण दास और 8 राजनीतिक दलों के नेताओं ने मंगलवार को कांग्रेस भवन में एक संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान कांग्रेस ने 8 अन्य राजनीतिक दलों के साथ 17 जुलाई को राज्यव्यापी 'बंद' का ऐलान किया। बालासोर की घटना पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत सीधे–सीधे सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस सांसद ने लिखा, उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन न्याय देने के बजाय उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया और बार–बार अपमानित किया गया। जिन्हें उसकी रक्षा करनी थी, वही उसे तोड़ते रहे। हर बार की तरह भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा और एक मासूम बेटी को खुद को आग लगाने पर मजबूर कर दिया।

राहुल गांधी ने आगे लिखा, ये आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है। पीएम मोदी, ओडिशा हो या मणिपुर, देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं और दम तोड़ रही हैं, और आप खामोश बने बैठे हैं। देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए। भारत की बेटियों को सुरक्षा और इंसाफ चाहिए।

इससे पहले कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा कि छात्रा को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट हर काम नहीं कर सकता है, एसआईआर समेत कई मुद्दों पर बोले पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल ने भारतीय न्याय प्रणाली में सुधार और बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने विपक्ष के चुनाव आयोग पर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट हर काम नहीं कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल ने विशेष गहन पुनरिक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर कहा, मैं कहूंगा कि राजनीतिक लड़ाई या मतभेद को राजनीतिक तरीके से ही सुलझाना चाहिए। कोर्ट राजनीति के प्रॉबलम को सॉल्व करने के लिए नहीं है। कई बार चीजों का लीगल रेमीफिकेशन होता है और इसलिए एक साथ बहुत से लोग अपना पक्ष रखने के लिए आ जाते है और यहां सुप्रीम कोर्ट की दिक्कत ज्यादा होती है। सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना चाहिए कि उसे कौन से मामले सुनने हैं और कौन से नहीं। अलग–अलग कामों के लिए अलग संस्थाएं हैं, जैसे चुनाव आयोग, जो एक संवैधानिक संस्था है। उसमे अगर किसी मामले मे कानूनी सवाल है, तभी उसमे हस्तक्षेप होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट नीतियां नहीं बना सकता या चुनाव आयोग का काम नहीं कर सकता, लेकिन वह चेक एंड बैलेंस का काम करता है।

विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाने को लेकर पूर्व जस्टिस ने कहा, ये राजनीतिक मतभेद हैं और आज की राजनीति में मध्यम मार्ग मुश्किल हो गया है, क्योंकि लोग अपने विचारों पर अड़े रहते हैं। फिर भी, चुनाव प्रणाली काम करती है, क्योंकि कई राज्यों में विपक्षी दल जीतते हैं, जिनमें बंगाल, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। बीजेपी भी सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में जीतती है। यह नहीं कहा जा सकता कि 'मैं जीता तो ठीक, नहीं जीता तो गड़बड़ है।पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल ने भारतीय न्याय प्रणाली में सुधार पर कहा, चीफ जस्टिस के सुधार की बात में कोई निहित मकसद हो सकता है। सबसे बड़ी समस्या मामलों की पेंडेंसी है। इसका समाधान जजों की पर्याप्त नियुक्ति से हो सकता है। हाईकोर्ट में एक–तिहाई पद खाली हैं और यह संख्या बढ़ रही है। निचली अदालतों में भी यही हाल है।

कुंडे से लटका मिला बीएससी की छात्रा का शव

रुद्रपुर। किच्छा में घर के एक कमरे में बीएससी की छात्रा का संदिग्ध हालात में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। कोतवाल धीरेन्द्र कुमार ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर शव नीचे उतारा। मामले में छात्रा के पिता ने पड़ोस में रहने वाले युवक पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ले शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राजेश वर्मा निवासी खुर्पिया फार्म खलवा मेहनत मजदूरी करने का काम करते हैं। उसकी 20 वर्षीय पुत्री सोना चार बहनों में दूसरे नबंर की थी। सोना बीएससी कर छात्रा थी। सोमवार सायं राजेश वर्मा व परिवार के अन्य सदस्य खेत में काम करने गए थे। वापस घर आने पर उन्होंने कमरे में सोना को दुपट्टे के फंदे से लटका देखा। जिसके बाद घर में कोहराम मच गया।

स्वर्ण मंदिर के लंगर हॉल को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी

अमृतसर ,स्वर्ण मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी आज ईमेल के माध्यम से मिली। धमकी मिलने के बाद गोल्डन टेंपल के अंदर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की टास्क फोर्स और बाहर पुलिस तैनात की गई है। इस पूरे मामले के बारे में एसजीपीसी सदस्य कुलवंत सिंह मनन ने बताया कि धमकी के बाद गोल्डन टेंपल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। टास्क फोर्स को स्पेशल हिदायत दी गई है कि संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोक जा सके। इस धमकी के बारे में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि श्री दरबार साहिब के लंगर हॉल को उड़ाने की धमकी ईमेल के ज़रिए भेजी गई है। संबंधित एसएचओ इस मामले की जाँच कर रहे हैं कि क्या किसी ने धमकी दी है या कोई शरारत की है।

उन्होंने कहा कि वह अभी इस बारे में ज़्यादा कुछ नहीं कह सकते। प्रेस वार्ता के दौरान एडवोकेट धामी ने कहा कि 350 वर्षीय शताब्दी समारोह के अंतर्गत धार्मिक आयोजन किए जाएँगे, जिनमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष समेत विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी निमंत्रण भेजा जाएगा। शंकराचार्य और अन्य धर्मों के बड़े चेहरों को भी आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिख धर्म के अलावा अन्य धर्मों के लोगों से भी आयोजनों में शामिल होने की अपील की जा रही है।

सम्पादकीय

ठाकरे भाई साथ- साथ

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने त्रिभाषा फार्मूले द्वारा मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की योजना का आरोप लगाया। हिन्दी को अनिवार्य बनाने के फैसले के विरोध में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मार्च निकालने की तैयारी में थे। मगर सरकार के फैसला वापस करने के बाद विजय रैली निकाली जिसमें शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ने कहा कि अब हम एक–दूसरे का साथ देने के लिए आ गए हैं। मिल कर आपको (सरकार) बाहर कर देंगे। राज ने कहा, किसी भी झगड़े या विवाद से महाराष्ट्र बड़ा है। हम बीस साल बाद साथ आ रहे हैं। जो काम बाला साहेब नहीं कर सके, वह देवेंद्र फडनवीस ने कर दिखाया। आपसी अनबन के दो दशक लंबे अंतराल के बाद दोनों नेताओं ने मंच साझा किया। भाजपा ने1 दिल्ली में आबादी को बढ़ने से रोकने पर काम कर नहीं रही। इसका खमियाजा भी यमुना को उठाना पड़ रहा है, हालांकि इसकी मार भी उसी आबादी को पड़ रही है। सभी जानते हैं कि दिल्ली जैसे विशाल आबादी वाले इलाके में हर घर पानी और मुफ्त पानी बड़ा चुनावी मुद्दा है, और जब नदी–नहर पानी की कमी पूरी कर नहीं पाते तो जमीन में छेद कर पानी उलिछा जाता है, यह जाने बगैर कि इस तरह भूजल स्तर से बेपरवाही का असर यमुना के जल स्तर पर ही पड़ रहा है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के एक शोध के मुताबिक, यमुना के बाढ़ क्षेत्र में 600 से अधिक आर्दभूमि और जल निकाय थे, लेकिन उनमें से 60त्न से अधिक अब सूखे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'यमुना बाढ़ क्षेत्र में यमुना से जुड़ी कई जल–तिजोरियों का संपर्क तटबंधों के कारण नदी से टूट गया।इ समझना होगा कि अरावली से चल कर नजफगढ़ झील में मिलने वाली साहबी नदी और इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या फिर सराय कालेखां के पास बारापुला या फिर साकेत में खिड़की गांव का सतपुला या फिर लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में जब कभी क्षमता से अधिक पानी आ जाता था तो उसे जोहड़–तालाब में सहेजने का जरिया थीं। एनजीटी में इन सभी जल मागरे को बचाने के मुकदमे चल रहे हैं लेकिन इन पर अतिक्रमण अनवरत जारी है। सो, न अब बरसात का पानी तालाब में जाता है, और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जलजमाव रुक पाता है। वैसे, एनजीटी 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है लेकिन इससे बेपरवाह सरकारें मान नहीं रहीं। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखां के पास 'बांस घरइ के नाम से केफेटेरिया और अन्य निर्माण हो गए। जान लें कि यदि दिल्ली को जलभराव से नहीं जूझना है तो यमुना अविरल बहे, उसकी गहराई और पाट बचे रहें, यही अनिवार्य है। यह बात कोई जटिल रॉकेट साइंस नहीं है। लेकिन बड़े ठेके, बड़े दावे, नदी से निकली जमीन पर और अधिक कब्जे का लोभ यमुना को जीवित रहने नहीं दे रहा। तैयार रहिए, भले ही अदालत डांटती रहे–अपनी संपदा यमुना को चोट पहुंचाने के चलते सावन–भादों में तो हर फुहार के साथ दिल्ली डूबेगी ही!

विज्ञान की उपलब्धियों की चमक के बीच अंधविश्वास का अंधेरा

'डायन प्रथा' जैसी बर्बर कुप्रथा आज भी जीवित है, क्योंकि हमने शिक्षा को केवल परीक्षा पास करने का माध्यम बना दिया है, सोचने, तर्क करने और जिज्ञासा से सच्चाई तलाशने का अभ्यास नहीं सिखाया। यह घटना सवाल उठाती है कि आखिर हमारी स्कूल व्यवस्था, हमारे सामाजिक जागरूकता अभियान, और हमारे जनप्रतिनिधि इस अंधविश्वास से लडऩे में क्यों विफल हो रहे हैं ? आज भी बिहार के हजारों गांवों में विज्ञान सिर्फ किताबों तक सीमित है। ग्रामीण स्कूलों में विज्ञान पढ़ाया तो जाता है, लेकिन विज्ञान की दृष्टि यानी आलोचनात्मक और तर्कपूर्ण सोच का विकास नहीं हो पाता। क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि बीमारी किसी डायन के कारण नहीं, बल्कि बैक्टीरिया, वायरस, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण होती है ? क्या हम गांवों में यह बात पहुँचा पा रहे हैं कि हर प्राकृतिक घटना का वैज्ञानिक कारण होता है और इसका हल किसी ओझा या तांत्रिक के पास नहीं, डॉक्टर और वैज्ञानिकों के पास होता है ।

प्रिया चौहान

पूर्णिया जिले के टेटमा गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों को 'डायन' बताकर जिंदा जलाया जाना आधुनिक भारत के माथे पर एक शर्मनाक धब्बा है। यह घटना किसी एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि हमारे समाज की उस सामूहिक असफलता की गवाही है, जिसमें विज्ञान की उपलब्धियों की चमक के बीच अंधविश्वास का अंधेरा आज भी कई जीवन निगल रहा है।

आज भारत विश्वगुरु बनने की बात कर रहा है, चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों पर करोड़ों का निवेश कर रहा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग की दिशा में अग्रसर है। लेकिन क्या इन वैज्ञानिक उपलब्धियों का कोई मतलब रह जाता है, जब हमारे गांवों में दो सौ से अधिक लोगों की भीड़, एक बीमार बच्चे के ठीक न होने की वजह से, एक पूरे परिवार को 'डायन' बताकर जिंदा जला देती है ?

यह घटना साऽफ दर्शाती है कि भारत में विज्ञान के विस्तार और वैज्ञानिक चेतना के विस्तार के बीच एक गहरी खाई है। हम रॉकेट तो बना रहे हैं, लेकिन समाज के भीतर वैज्ञानिक सोच नहीं बना पा रहे। 'डायन प्रथा' जैसी बर्बर कुप्रथा आज भी जीवित है, क्योंकि हमने शिक्षा को केवल परीक्षा पास करने का माध्यम बना दिया है, सोचने, तर्क करने और जिज्ञासा से सच्चाई तलाशने का अभ्यास नहीं सिखाया। यह घटना सवाल उठाती है कि आखिर हमारी स्कूल व्यवस्था, हमारे सामाजिक जागरूकता अभियान, और हमारे जनप्रतिनिधि इस अंधविश्वास से लडऩे में क्यों विफल हो रहे हैं ? आज भी बिहार के हजारों गांवों में विज्ञान सिर्फ किताबों तक सीमित है। ग्रामीण स्कूलों में विज्ञान पढ़ाया तो जाता है, लेकिन विज्ञान की दृष्टि यानी आलोचनात्मक और तर्कपूर्ण सोच का विकास नहीं हो पाता।

क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि बीमारी किसी डायन के कारण नहीं, बल्कि बैक्टीरिया, वायरस, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण होती है ? क्या हम गांवों में यह बात पहुँचा पा रहे हैं कि हर प्राकृतिक घटना का वैज्ञानिक कारण होता है और इसका हल किसी ओझा या तांत्रिक के पास नहीं, डॉक्टर और वैज्ञानिकों के पास होता है । इस हत्याकांड की भयावहता और खुली बर्बरता इस बात की गवाही देती है कि लोगों के मन से पुलिस और कानून का भय खत्म हो चुका है। दो सौ से अधिक लोग एक परिवार को जला रहे हैं, और कहीं कोई प्रशासन, कोई हस्तक्षेप, कोई सुरक्षा नहीं है,यह 'राज्य विहीनता' की स्थिति है। सरकार की भूमिका केवल एफआईआर और मुआवज़े तक सीमित रह गई है। हमें स्वीकार करना होगा कि यह लड़ाई केवल अपराध से नहीं, बल्कि अज्ञान, भय, और पीढ़ियों से चली आ रही कुचेतना से है।

इसका जवाब केवल कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती, इसके लिए ज़मीनी स्तर पर एक सघन वैज्ञानिक चेतना अभियान चलाने की जरूरत है। हर पंचायत में 'विज्ञान क्लब' बनाए जाएं, जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भाग लें और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपने जीवन से जोड़ सकें। स्कूलों की पाठ्यपुस्तकों में अंधविश्वास विरोधी अध्ययन शामिल किया जाए और डायन प्रथा जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध खुलकर चर्चा हो। जन–स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा का गहरा आपस में समन्वय हो, ताकि बीमारी की दशा में लोग ओझा–तांत्रिक के पास नहीं, डॉक्टर के पास जाएं। पूर्णिया की यह घटना केवल दुखद नहीं, एक सामूहिक आत्मग्लानि का क्षण है। यह हमें याद दिलाती है कि अगर हम आधुनिकता और परंपरा के बीच सामंजस्य नहीं बना पाए, तो विज्ञान के मंदिरों से निकलकर भी हम अंधविश्वास के दलदल में फंसे रहेंगे। अब समय आ गया है कि बिहार ही नहीं, पूरे देश में वैज्ञानिक चेतना को संविधान के मूल मूल्य की तरह देखा जाए, न कि एक वैकल्पिक विचारधारा के रूप में। जब तक विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं में रहेगा और समाज में उसका प्रभाव नहीं दिखेगा, तब तक ऐसी घटनाएं हमारी आत्मा को जलाती रहेंगी।

आस्था के सहारे आतंकवाद को जवाब

अशोक शर्मा

पवित्र अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हमेशा से ही आस्था और भक्ति का प्रतीक रहा है, लेकिन इस वर्ष इसका महत्व कहीं अधिक गहरा गया है। 3 जुलाई, 2025 को शुरू हुई यह 38 दिवसीय यात्रा, जो 9 अगस्त को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर संपन्न होगी, मात्र एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति और अटूट विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विशेषकर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बावजूद, जिस तरह से श्रद्धालुओं का उत्साह और पंजीकरण का आंकड़ा (साढ़े तीन लाख से अधिक) बरकरार है, वह यह साबित करता है कि आतंकवादी अपने नापाक मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होंगे। इस यात्रा का पहला जत्था, जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह सिर्फ यात्रियों की आवाजाही नहीं, बल्कि राष्ट्र के अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का मार्च था। जिस तरह से प्रत्येक श्रद्धालु के चेहरे पर भगवान शिव के दर्शन की लालसा झलक रही थी, वह किसी भी आतंकी साजिश से कहीं अधिक शक्तिशाली है। पहलगाम की घटना के बाद, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया गया है। लगभग 50,000 अर्ध सैनिक बलों की तैनाती, भारतीय सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का समन्वय, ड्रोन निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकें, यह सब केवल सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास को और मजबूत करने के लिए है।

यह दिखाता है कि सरकार और सुरक्षा बल श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध हैं। पहाड़ी बचाव दल और चिकित्सा सुविधाओं की व्यापक उपलब्धता भी यह सुनिश्चित करती है कि प्राकृतिक चुनौतियों का सामना भी पूरी तैयारी के साथ किया जा सके। यह अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा आतंक के खिलाफ हमारी दृढ़ता का स्पष्ट संदेश है। हालांकि राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र को भी और चौकस रहने की जरूरत है। दरअसल, सीमा पार से संचालित आतंकवादी संगठन और उनके आका लगातार जम्मू–कश्मीर में अशांति फैलाने और लोगों के मन में डर पैदा करने की कोशिश करते रहे हैं। उनका उद्देश्य पवित्र यात्राओं को बाधित करना और धार्मिक सद्भाव को बिगाडऩा है, लेकिन अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का यह अथाह उत्साह और अटूट विश्वास उनकी सभी साजिशों पर भारी पड़ा है। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक कर्तव्य का निर्वहन है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ एक मौन, फिर भी शक्तिशाली विरोध भी है। जब लाखों श्रद्धालु इतनी कड़ी सुरक्षा के बीच, विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी पवित्र गुफा की ओर बढ़ते हैं, तो यह आतंकवादियों और उनके समर्थकों को एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत के लोग न तो डरेंगे और न ही झुकेंगे। वे अपनी आस्था और अपने देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह यात्रा आतंकवादियों के 'नैरेटिव' को ध्वस्त करती है और दिखाती है कि जम्मू–कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो रही है और शांति की इच्छा हर भय से ऊपर है। अमरनाथ यात्रा 2025 केवल तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि भारत की अविचल आत्मा, अटूट आस्था और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता का प्रतीक है। यह यात्रा साबित करती है कि आस्था की अग्नि और राष्ट्रीय एकता का बल किसी भी नापाक इरादे से कहीं अधिक शक्तिशाली है। जाहिर है बाबा बर्फानी के प्रति आस्था दरअसल आतंकवादियों को श्रद्धालुओं का करारा जवाब है कि आतंकवाद के आका भारतीयों के हौसलों को कभी नहीं डिगा पाएंगे।

युवाओं में नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण गंभीर चुनौती

भारत में भी युवा बड़ी संख्या में नशाखोरी की चपेट में हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल ही में सवीच्च न्यायालय ने युवाओं में नशे के प्रति बढ़ती रु चि को एक पीढ़ीगत संकट बताया है। यह चुनौती इतनी गंभीर है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बातइ के तीसरे एपिसोड में 14 दिसम्बर 2014 को पूरी संवेदना के साथ देश के युवाओं से नशाखोरी से बाहर आने की विशेष अपील की थी। साथ ही उन्होंने युवाओं को विास दिलाया कि राष्ट्र के सामने मौजूद इस गंभीर संकट से निपटने के लिए वे युवा वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश के लगभग 20 प्रतिशत लोग नशे की चपेट में हैं।

प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्र. गुप्ता

युवाओं में नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर चुनौती के रूप में सीना तानकर खड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा जारी 'विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2024इ के अनुसार 29.2 करोड़ से भी अधिक लोग पूरे विश्व में मादक पदार्थ के सेवन में लिप्त हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि ऐसे लोगों की संख्या में पिछले दशक की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नशे के प्रति इतनी रु झान मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर संकट की ओर संकेत कर रही है। भारत में भी युवा बड़ी संख्या में नशाखोरी की चपेट में हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल ही में सवीच्च न्यायालय ने युवाओं में नशे के प्रति बढ़ती रु चि को एक पीढ़ीगत संकट बताया है। यह चुनौती इतनी गंभीर है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बातइ के तीसरे एपिसोड में 14 दिसम्बर 2014 को पूरी संवेदना के साथ देश के युवाओं से नशाखोरी से बाहर आने की विशेष अपील की थी। साथ ही उन्होंने युवाओं को विास दिलाया कि राष्ट्र के सामने मौजूद इस गंभीर संकट से निपटने के लिए वे युवा वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश के लगभग 20 प्रतिशत लोग नशे की चपेट में हैं।इनमें 1.5 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। 10 वर्ष से 17 वर्ष की आयु वर्ग वाले लगभग 1.5 करोड़ किशोर भी इस खतरे की चपेट में हैं, जिनमें चिंताजनक संख्या में छोटी–छोटी बेटियां भी हैं। 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडीज 2017इ के अनुसार पूरी दुनिया में 7.30 लाख लोग अवैध ड्रग्स के सेवन के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए, जिसमें से 22 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु भारत में भी हुई। एन.सी.आर.बी की एक रिपोर्ट के अनुसार 2019 में ही पूरे देश भर में ड्रग्स से परेशान होकर लगभग 7800 से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली, जिसमें 20 वर्ष से 50 वर्ष की आयु वर्ग वाले अधिक लोग रहे। कष्टदायक स्थिति ये है कि हमारे कुछ युवा नशे के दुष्प्रभाव के कारण मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं।

देश के लगभग 45 मानिसक स्वास्थ्य से जुड़े अस्पतालों में पिछले 10 वर्षो में भर्ती लोगों में 20 प्रतिशत नशे के कारण मानसिक रूप से अस्वस्थ माने गए। नशे के कारण मानसिक बीमारी के शिकार लोगों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब जैसे राज्यों में नशे से संबंधित एफ.आई.आर की संख्या में वृद्धि हुई है। भारत में 3 करोड़ से अधिक लोग भांग के नशे में लिप्त हैं, जिनमें से 72 लाख से अधिक लोग इसकी वजह से अस्वस्थ हैं। 10 लाख के आसपास लोग इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स लेते हैं, जबकि 10 करोड़ से अधिक लोग अनेक अवैध नशीले पदार्थ का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि केवल भारत ही इस संकट से जूझ रहा है।अमेरिका, फ्रांस इत्यादि देशों के साथ सीरिया, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, रूस, ब्राजील इत्यादि देश भी इस समस्या से ग्रसित हैं। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण दुनिया में सबसे अधिक मौतें अमेरिका और फ्रांस में ही हुई हैं। सीरिया में तो सरकार ने ही नशीली दवाओं के व्यापार को वित्त पोषित किया है। विश्व ड्रग रिपोर्ट 2017 के अनुसार केवल अमेरिका में ही नशीली दवाओं के कारण 70 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि भारत की शिक्षण संस्थाओं के आसपास चाय–नाश्ते की दुकानों, जनरल स्टोर्स इत्यादि के माध्यम से युवाओं को ड्रग्स और अन्य नशीले पदाथरे के दलदल में घसीटा जा रहा है।

भारत सरकार की ओर से समय–समय पर अनेक आवश्यक कदम उठाए जाते रहे हैं। एक तरफ सरकार जांच एजेंसियों के माध्यम से ड्रग्स के अवैध व्यापार पर लगातार छापेमारी करके उन नशीले पदाथरे को नष्ट कर रही है तो दूसरी ओर इसमें लाभ कमाने की दृष्टि से जो असामाजिक तत्व लगे हुए हैं, उनको कानून के कड़े प्रावधानों के द्वारा दंडित भी कर रही है। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नशाखोरी को समाप्त करने के लिए 'ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंसइ की नीति के तहत प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषकर अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद से ही ड्रग्स माफिया पर लगातार प्रहार हो रहे हैं।

गृह मंत्रालय की सूचना के अनुसार देश की तमाम जांच एजेंसियों ने हाल ही में 2023 में 16 हजार करोड़ रु पये से भी अधिक का ड्रग्स जब्त किया था। 2024 में 25 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक का ड्रग्स जब्त किया गया। 2023 की तुलना में 2024 में 55 प्रतिशत अधिक ड्रग्स जब्त किया गया। अगर हम नशे की गंभीर चुनौती को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें सरकार के प्रयासों को जन भागीदारी से जोड़कर उचित क्रिान्वयन में सहयोग करना होगा। आवश्यकता है विश्व के अग्रणी देशों में नशे की रोकथाम के लिए अमल में लाई जा रही कानून–व्यवस्था के अध्ययन की।

धंधे से दूधवाला हूं, बंदा बास्द्ध वाला हूं, इमरान हाशमी की नई फिल्म गनमास्टर जी9 का ऐलान

इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया की जोड़ी एक बार फिर सिनेमाघरों में धमाल मचाने आ रही है। जी हां, इमरान हाशमी की नई फिल्म की घोषणा हुई है, जिसमें हिमेश रेशमिया का संगीत फिर से सुनाई देगा। आदित्य दत्ता द्वारा निर्देशित फिल्म 'गनमास्टर जी 9झ् का अनाउंसमेंट वीडियो सामने आया है। जिसमें इमरान हाशमी के साथ जेनेलिया डीसूजा और अपारशक्ति खुराना भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

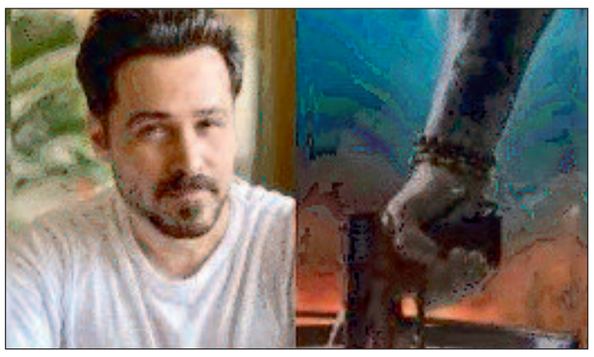

मेकर्स ने फिल्म से जुड़े तीन अलग–अलग क्लिप्स शेयर किए हैं। इनमें फिल्म के तीनों मुख्य कलाकारों इमरान हाशमी, जेनेलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना के वॉइस ओवर सुनाई देते हैं। पहली क्लिप में एक बाल्टी रखी दिखती है, जिसपर जी9 लिखा हुआ है। इसके साथ इमरान हाशमी की आवाज में वॉइस ओवर आता है 'मुझसे मच–मच किया चलेगा, गलती से फैमिली को टच किया, तो याद रखना धंधे से दूधवाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं।झ् इसके साथ ही एक हाथ दिखाई देता है जिस पर टैटू बने हुए हैं और हाथों में बंदूक है।

इसी तरह की एक अगली क्लिप शेयर हुई है, जिसमें जी9 लिखी हुई बाल्टी रखी हुई है। इसमें जेनेलिया का वॉइस ओवर आता है, जिसमें वो कहती हैं, 'घर की बहूं हूं, इसका ये मतलब नहीं कि सिर्फ निर्मल और शीतल। घर की सब्जी आएगी, तो सब्जी काटूंगी। लेकिन अगर घर पर गुंडे बदमाश आए तो, सब्जी थोड़े न काटूंगी।झ् इस क्लिप के साथ ही कई सारी चूड़ियां पहने एक हाथ बाल्टी में से निकलता है, जिसमें हाथों में धारदार हथियार है।

इसी तरह जो तीसरी क्लिप है उसमें अपारशक्ति खुराना का वॉइस ओवर और उनका एंट्रो है। इस बार जी9 लिखी बाल्टी से एक हाथ निकलता है, जो बम पकड़े हुए है।

मिचेल स्टार्क ने तोड़ा 78 साल पुराना रिकॉर्ड, मुरलीधरन को पीछे छोड़ बनाए कई कीर्तिमान

नई दिल्ली,। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करवा लिया है. स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 100वां टेस्ट मैच खेलते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं. आज हम आपको उनके बारे में बताने वाले हैं. मिचेल स्टार्क सबसे कम गेंदों में 5 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए. स्टार्क ने 15 गेंदों में टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 5 विकेट हासिल किए हैं. इसके साथ ही उन्होंने अपने हमवतन एरनी टोशैक को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 1947 में इंडिया के खिलाफ 19 बॉल में 5 विकेट हासिल किए थे. मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे सबसे तेज (कम गेंदों में) गेंदबाज बन गए हैं. स्टार्क ने अपना 400 टेस्ट विकेट 19062 गेंदों में पूरे किए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन 16634 बॉल में 400 विकेट पूरे कर पहले स्थान पर बने हुए हैं. इसके साथ ही मिचेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के लिए 400 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले चौथे गेंदबाज बन गए हैं. मिचेल स्टार्क अपने 100वें टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत गेंदबाजी प्रदर्शन करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं.

स्कॉट बोलैंड ने रचा इतिहास, पिंक बॉल टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बने

नईदिल्ली, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने किंग्स्टन में खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 176 रन से हराया। कंगारू टीम के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने इस मैच में ऐतिहासिक कारनामा कर दिखाया।

दरअसल, उन्होंने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी के दौरान हैट्रिक ली और वह पिंक बॉल टेस्ट में ऐसा कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बने। आइए उनकी गेंदबाजी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। बोलैंड ने वेस्टइंडीज की पहली पारी के दौरान 13.1 ओवर गेंदबाजी की थी, जिसमें 34 रन देते हुए 3 सफलताएं हासिल की थी। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 2 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 2 रन देते हुए 3 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने 1 ओवर मेडन किया। कैरेबियाई टीम की दूसरी पारी में उन्होंने जस्टिन ग्रीव्स (11), शमर जोसेफ (0) और जोमेल वारिकन (0) के विकेट लगातार गेंदों पर चटकाए। बोलैंड ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले कुल 10वें गेंदबाज बने।

बॉक्स ऑफिस पर बढ़ी राजकुमार राव की मालिक की रफ्तार

राजकुमार राव की फिल्म मालिक और विक्रांत मैसी की फिल्म आंखों की गुस्ताखियां एक ही दिन 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुईं। दोनों ही फिल्मों को दर्शकों और समीक्षकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, कमाई के मामले में मालिक आगे रही। आंखों की गुस्ताखियां ने तो पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ दिया था। 2 दिन में इस फिल्म की हालत पस्त हो चुकी है। आइए जानते हैं दूसरे दिन किस फिल्म ने कितनी कमाई की।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, दूसरे दिन मालिक की कमाई में उछाल आया। जहां फिल्म ने पहले दिन 3.75 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं दूसरे दिन इसने 5.25 करोड़ रुपये कमाए। इस हिसाब से फिल्म ने भारत में 2 दिन में 9 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म को वीकेंड का फायदा मिला है। उम्मीद की जा रही है कि रविवार को फिल्म और अच्छा कारोबार करेगी। इस फिल्म का बजट 54 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।फिल्म में राजकुमार के साथ मानुषी छिल्लर, प्रोसेनजीत चटर्जी , हुमा कुरैशी और सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका में हैं।

किच्चा सुदीप की नई फिल्म के47 का ऐलान

कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप को पिछली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म मैक्स में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। साउथ के जाने–माने निर्देशक विजय कार्तिकेय ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। अब किच्चा ने अपनी नई फिल्म के47 का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म के लिए उन्होंने एक बार फिर निर्देशक कार्तिकेय के साथ हाथ मिलाया है। बता दें कि फिल्म का निर्माण सत्य ज्योति फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। के47 से किच्चा की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहे है। इस फिल्म की शूटिंग 7 जुलाई, 2025 से शुरू होगी।

बेंगलुरु भगदड़ में कर्नाटक हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

बेंगलुरु, कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह चार जून को बेंगलुरु में हुई भगदड़ को लेकर स्थिति रिपोर्ट की एक प्रति रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और डीएनए इंटरटेनमेंट नेटवर्क्स को उपलब्ध कराए।

यह घटना चार जून को उस समय हुई थी जब बेंगलुरु स्थित चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी आईपीएल में पहली बार खिताब जीतने का जश्न मना रही थी। इसी दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हुई थी। हाई कोर्ट ने रिपोर्ट को गोपनीय रखने के राज्य सरकार के तर्क को खारिज कर दिया और कहा कि सुप्रीम कोर्ट केवल उन्हीं मामलों में सीलबंद लिफाफे में जानकारी सौंपने की अनुमति देता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक हित या गोपनीयता अधिकारों से संबंधित हों और इस मामले में ये मानक लागू नहीं होते।

राज्य सरकार ने दिया ये तर्क

कार्यवाहक चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव और जस्टिस सीएम जोशी की पीठ ने सोमवार को यह टिप्पणी की। पीठ इस बारे में सुनवाई कर रही थी कि भगदड़ पर स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज जनहित याचिका में शामिल पक्षों को रिपोर्ट की प्रति दी जानी चाहिए या नहीं। राज्य सरकार ने यह तर्क दिया था कि रिपोर्ट साझा करने से न्यायिक आयोग और मजिस्ट्रेट जांच प्रभावित हो सकती है। राज्य सरकार के इस तर्क को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि यह चिंता निराधार है और इसमें जनहित का कोई औचित्य नहीं है। प्रमुख पक्षों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए उनसे रिपोर्ट छिपाना अनुचित है।

जीता था पहला खिताब

तीन जून को आरसीबी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पंजाब किंग्स को मात देकर पहली बार खिताब जीता था। इस खिताब के लिए टीम ने लंबा इंतजार किया था। हार का जश्न ही टीम को परेशानी में ले डूबा और दिन ब दिन फ्रेंचाइजी की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं।

एक नजर

एसडीएम माह में दो बार लें पीडीएनए की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आपदा से क्षतिग्रस्त सरकारी परिसंपत्तियों को लेकर मंगलवार को आयोजित बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल ने कहा कि शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप ही क्षति का मूल्यांकन तैयार किया जाए। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि महीने में दो बार संबंधित अधिकारियों के साथ आपदा उपरांत आवश्यकताओं का मूल्यांकन (पीडीएनए) की बैठक ले। एडीएम ने कहा कि जिन परिसंपत्तियों को दैवीय आपदा के दौरान क्षति पहुंची है, उनकी रिपोर्ट तहसील या जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय में दर्ज कराई जाएं और जियो टैग फोटोग्राफ्स अनिवार्य रूप से दी जाए। कहा कि बजट मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गढ़वाल सांसद ने दिये डांडा नागराजा मोटर मार्ग के सुधारीकरण के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जिले के व्यासघाट-सिल्सू-श्री डांडानागराजा मोटर मार्ग का जल्द ही सुधारीकरण होगा। मोटर मार्ग का सुधारीरकण होने से लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने लोक निर्माण विभाग के सचिव को पत्र भेजकर जल्द ही मोटर मार्ग का जल्द ही सुधारीकरण करने के निर्देश दिए हैं। जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर व्याप्त है। बता दें कि ग्राम सुधार सभा सिल्सू के पदाधिकारियों ने बीते दिनों गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात कर पौड़ी जिले के व्यासघाट-सिल्सू-श्री डांडानागराजा मोटर मार्ग के सुधारीकरण की मांग की थी। इस दौरान ग्राम सुधार सभा सिल्सू के सदस्यों ने गढ़वाल सांसद को बताया था कि बजट के अभाव के चलते मोटर मार्ग का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया था। जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मोटर मार्ग निर्माण के दौरान गांव का पैदल मार्ग भी मलबा गिरने से पूर्ण रूप से अवरूद्ध हो गया था। ग्राम सुधार सभा सिल्सू के सुशील देसवाल, सूरज मणी ने बताया कि गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने लोनिवि के सचिव को जल्द ही मोटर मार्ग का सुधारीकरण व डामरीकरण करने के निर्देश दिए है।

सावन के सोमवार पर बंद रखी जाएं मांस की दुकानें

विश्व हिंदू परिषद ने नगर आयुक्त को दिया ज्ञापन

कोटद्वार नगर निगम में नगर आयुक्त को ज्ञापन देते विहिप कार्यकर्ता व पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में सावन के सोमवार पर मांस की दुकानें बंद रखने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया। कहा कि इस संबंध में नगर निगम को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। सावन का महीना हिंदू लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है। इस दौरान विहिप ने शहर में लगातार बढ़ रही आवारा कुत्तों की संख्या पर भी चिंता व्यक्त की। कहा कि नगर निगम को इसके लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए। मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद के सदस्य नगर निगम में पहुंचे। जहां उन्होंने विभाग मंत्री दीपक गौड़ के नेतृत्व में नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया। कहा कि सावन माह में भक्त जन शिव की आराधना करते हैं। बड़ी संख्या में भक्त घरों से देवालयों में जलाभिषेक करने के लिए जाते हैं। लेकिन, शहर में जगह-जगह मांस की दुकानें खुली होने से भक्तों की आस्था को ठेस पहुंचेगी। सावन के सोमवार पर शहर में मांस की दुकानों को बंद करने का आदेश जारी किया जाना चाहिए। कहा कि न्यायालय का सख्त आदेश है कि जानवर का खुले में वध नहीं किया जाएगा। लेकिन, कई मांस विक्रेता दुकानों में ही वध करते हैं। जबकि, गाड़ीघाट में स्लाटर हाउस भी खुलवाया गया है। कहा कि मांस दुकानों के बाहर झटका व हलाला के मांस का बोर्ड भी लगाया जाना चाहिए। कहा कि कई मांस विक्रेता मंगलवार को भी मांस की दुकानें खुला रखते हैं। जबकि, मंगलवार को मांस की दुकानें बंद रखने का आदेश है। कहा कि लाउडस्पीकर के माध्यम से दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया जाना चाहिए। इस मौके पर परमेंद्र राणा, कुलदीप रावत, हर्ष भाटिया, अनीता जखमोला, सुनीता नेगी, विक्रम सिंह, गौरव कश्यप आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अलायन्स ऑर्गनाइजेशन देहरादून की ओर से संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से राजकीय बालिका इंटर कालेज घमंडपुर में पौराणिक सांस्कृतिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को पहाड़ी की संस्कृति व सभ्यता के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान गढ़वाली लोकगीत, झोड़ा, युगल नृत्य, नंदा राजजात, सामूहिक लोकनृत्य तथा अन्य पारंपरिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य सुषमा दास एवं विशिष्ट अतिथि तृप्ति कुकरेती व आर्गनाइजेशन की अध्यक्ष माया राणा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। अध्यक्ष माया राणा ने कहा कि अलायन्स ऑर्गेनाइजेशन उत्तराखंड में संस्कृति के संरक्षण, संवर्द्धन और प्रचार-प्रसार के लिए सतत कार्य कर रही है। कहा कि हिमालय केवल एक भौगोलिक श्रृंखला नहीं, अपितु आस्था, अध्यात्म, परंपरा और लोकजीवन का सजीव प्रतीक है। यहां की लोक संस्कृति अपने आप में हिमालयी जनजीवन की आत्मा है, जो पीढ़ियों से चली आ रही लोक कथाओं, लोक गीतों, लोक नृत्यों, त्योहारों, वेशभूषा, रीति-रिवाज़ों और पर्व-उत्सवों में प्रकट होती है। प्रधानाचार्य सुषमा दास ने कहा कि हिमालय की संस्कृति केवल हमारी धरोहर नहीं, बल्कि समूचे देश और मानवता का आधार है। इसका संरक्षण केवल सरकार का ही नहीं, जन-जन का उत्तरदायित्व है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं ने सर्वप्रथम गढ़ वंदना एवं माँ नंदा-सुनंदा की स्तुति प्रस्तुत की। कार्यक्रम में हारमोनियम पर राकेंद्र रौथाण, ढोलक पर सुधांशु बिष्ट, हुड़का पर पुनीत और बांसुरी पर राजन बिष्ट ने संगत दी।

दिव्यांग बच्चों का दल लैंसडौन भ्रमण के लिए हुआ रवाना

दल के वाहनों को हरी झंडी दिखाते पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत निंबूचौड़ स्थित दिया दिव्यांग संस्था के छात्रों का एक दल लैंसडौन भ्रमण के लिए रवाना हो गया है। दल में 35 दिव्यांग बच्चे शामिल हैं।

पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत और सदस्यों द्वारा हरी झंडी दिखाकर छात्रों के वाहन को रवाना किया गया। समिति अध्यक्ष महेंद्रपाल सिंह रावत ने कहा कि दिव्यांग जनों के लिए दया नहीं, बल्कि सेवा भाव से आगे आने की आवश्यकता है। सबका यह कर्तव्य है कि मिलकर दिव्यांग बच्चों की सेवा में अपना योगदान दें और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करें।

समिति का आभार व्यक्त करते हुए संस्था संचालक कविता मलासी ने कहा कि इस कार्य के लिए संस्था उनका आभार व्यक्त करती है। कहा कि समय-समय पर क्षेत्रीय सामाजिक संगठन भी दिव्यांग हित में अपना योगदान देते रहते हैं, इसी से वे दिव्यांग बच्चों का भविष्य संवारने का कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर समिति के देवेंद्र सिंह रावत, सुभाष कुकरेती, शूरबीर खेतवाल, जीत सिंह भंडारी, गोपाल सिंह नेगी, मोहन सिंह, अनसूया प्रसाद सेमवाल और भारत सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

दुकानदार मिलावटी और एक्सपायरी सामग्री न बेचें

पौड़ी : नीलकंठ कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम लगातार अभियान चलाकर खाद्य सामग्री की जांच कर रही है। वहीं पुलिस टीमें यहां सत्यापन में भी जुटी है। दुकानदारों से कहा गया है कि किसी भी प्रकार की मिलावटी या एक्सपायरी सामग्री को न बेचा जाए। यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। कांवड यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ ही खाद्य सामग्री की भी चेकिंग की जा रही है। इस दौरान नीलकंठ महादेव मंदिर तक के पैदल मार्गों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में खाद्य एवं पेय पदार्थ विक्रेताओं का सत्यापन के साथ ही दुकानों में रखी सामग्री की गुणवत्ता की भी जांच की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लाकेश्वर सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा में आ रहे श्रद्धालुओं को मिलावट रहित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो इसके लिए टीमें लगातार चेकिंग कर रही है।

खंड शिक्षाधिकारी पर कार्रवाई की मांग को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पिथौरागढ़ के खंड शिक्षाधिकारी विण पर महिला कर्मचारियों के साथ उत्पीड़न करने का मामला प्रकाश में आया है।

मामले पर उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन गढ़वाल मंडल के पदाधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए सरकार से जल्द ही आरोपी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन गढ़वाल मंडल के अध्यक्ष सीताराम पोखरियाल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर जल्द ही संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में सीताराम पोखरियाल ने कहा कि पिथौरागढ़ जिले के खंड शिक्षाधिकारी विण पर महिला कर्मचारियों के साथ उत्पीड़न करने के मामला सामने आया है। जिससे प्रदेश के सभी कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने जल्द ही सरकार से आरोपी खंड शिक्षाधिकारी गणेश सिंह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। कहा कि चुनाव आचार संहिता के चलते संबंधित अधिकारी के खिलाफ आंदोलन नहीं किया जा रहा है। कहा कि आरोपी खंड शिक्षाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर आचार संहिता खत्म होते ही आंदोलन किया जाएगा।

विद्यार्थियों को दी एआई व डिजिटल कौशल की जानकारी

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बलभद्रपुर स्थित इंस्टीट्यूट आफ हास्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज में युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को एआई व डिजिटल कौशल विषय के बारे में जानकारी दी गई।

आयोजित गोष्ठी में विभागाध्यक्ष अनुराग सेमवाल ने युवाओं को कौशल विकास के महत्व के बारे में बताया। कहा कि भारत सरकार युवाओं के लिए कौशल विकास की बहुत सी योजनाएं संचालित कर रही है, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। युवा स्वयं आत्मनिर्भर बनकर स्वरोजगार इकाई स्थापित कर अन्य युवाओं को रोजगार से जोड़ सकते हैं। कहा कि विश्व युवा कौशल दिवस मनाने का उद्देश्य युवाओं को स्वजरोजगार के प्रति जागरूक करना है। युवा सशक्तिकरण के लिए एआई व डिजिटल कौशल के विषय पर समूह प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें समूह ए से परिधि और रानी ने प्रथम, अक्षिता, सोनाली ने द्वितीय व सोनू और तुषार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका में परवीन त्रिपाठी रावत, उजिता रावत थे। कार्यक्रम में सहायक अध्यापक संदीप कुमार, ऋतेश कुमार, नैनिका तिवारी, श्रेया नेगी, साक्षी चौहान, पारस, मानसी, निखिल आदि मौजूद रहे।

तीन दिन से पेयजल समस्या से जूझ रहे जौनपुर के लोग

पानी के लिए भटकते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भले ही जल संस्थान क्षेत्र में बेहतर पेयजल व्यवस्था बनाने के दावे कर रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है कि भीषण गर्मी व उसम के बीच क्षेत्रवासियों को पेयजल समस्या से जूझना पड़ रहा है। हालत यह है कि जौनपुर क्षेत्र में पिछले तीन दिन से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। जल संस्थान के टैंक से भी वार्डवासियों को पर्याप्त जल नहीं मिल पा रहा है।

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत जौनपुर क्षेत्र के लोगों को महाविद्यालय के समीप स्थित नलकूप से पेयजल आपूर्ति की जाती है। लेकिन, पिछले दो दिन से नलकूप खराब पड़ा हुआ है। नतीजा, परिवारों को भीषण गर्मी व उमस के बीच पानी के लिए इधर-उधर भागना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी रामेश्वरी देवी, रश्मि शर्मा ने बताया कि नलकूप में लगी मोटर आए दिन खराब हो जाती है। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बताया कि नलकूप में लगी दशकों पुरानी मोटर को बदलवाने के लिए क्षेत्रवासी कई बार जल संस्थान व जनप्रतिनिधि को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। सबसे अधिक परेशानी घर में अकेले रहने वाले बुजुर्गों को हो रही है। बताया कि जल संस्थान की ओर से भेजे जा रहे पेयजल टैंक से भी वार्डवासियों को पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। पानी की समस्या से दिनचर्या प्रभावित हो रही है।

बीज बम अभियान शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : बीज बम अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने कहा कि 2015-16 में यह प्रयोग सफल हुआ है। इसके बेहतर परिणाम सामने आए, जिसके बाद समाज और सरकार के बीच ले जाने के लिए 2017 में बीज बम अभियान शुरू किया गया। वर्तमान में बीज बम अभियान को देश के 18 से अधिक राज्यों में स्वीकार्यता मिली है। यह बातें उन्होंने मंगलवार को एसएसबी सीटीसी श्रीनगर में बीज बम अभियान के समापन पर कहीं। गढ़वाल विवि के हैप्रेक संस्थान, पर्वतीय विकास शोध केंद्र एवं शास्त्र सीमा सुरक्षा बल के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीज बम अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने जवानों एवं अन्य लोगों को बीज बम बनाने एवं उसकी उपयोगिता के बारे में बताया। पर्वतीय विकास शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. अरविंद दरमोड़ा ने कहा कि द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने बीज बम को आम जन से लेकर सरकार और अनुसंधान संस्थान तक पहुंचाया। गढ़वाल विवि के डीएसडबल्यू प्रो. ओपीएस गुसांई ने कहा कि द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने बीज बम अभियान को उत्तराखंड ही नहीं पूरे देश में ले जाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। बीज बम अभियान को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी की गतिविधियों में सम्मिलित किया जाएगा।

डाकघर के पास पेड़ की टहनी टूटी, हादसा टला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कलेक्ट्रेट-अपर बाजार रोड पर पोस्ट आफिस के पास एक पेड़ लोगों के लिए खतरा बन गया है। सोमवार की देर शाम इस पेड़ की बड़ी टहनी टूट गई। गनीमत रही है उस समय किसी तरह की कोई आवाजाही नहीं थी, नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था।

स्थानीय लोगों के अनुसार अभी तक इस पेड़ से दो टहनियां टूट चुकी हैं, लेकिन पेड़ का बड़ा हिस्सा अभी भी खड़ा है, जो कभी भी गिर सकता है। प्रधान डाकघर के भवन के पास इस पेड़ के नीचे जहां दुकान से लेकर सरकारी दफ्तर है, वहीं यहीं से होकर अपर बाजार और लोअर बाजार के लिए लोग पैदल और वाहनों से आवाजाही करते हैं। इसी के पास ही में जमीनों की रजिस्ट्री के लिए दिन भर लोगों का भी आना-जाना लगा रहता है। शहर के बीचों-बीच होने की वजह से डाक प्रशासन ने इस मामले में पहले ही पत्राचार कर इसे कटाएं जाने का गुहार लगाई थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं०: Elect/TRD/MB/2025-26/TN-05 दिनांक : 14.07.2025

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर न.	T-07-TRD-MB-25-26
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों के सेक्शनिंग आरेखों का नवीनीकरण
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	05.08.2025, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	Rs. 17,44,183.01/- (Including GST@18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	Rs. 34,900/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 days
कार्य पूरा करने की अवधि	03 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2132/2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे इण्टरमीडियेट के अंक पत्र व प्रमाण पत्र में मेरी माताजी का नाम बिनीता गुसांई (BINITA GUSAIN) दर्ज है, जो कि गलत है, जबकि मेरे हाईस्कूल के अंक पत्र व प्रमाण प्रत्र सहित मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम बिनीता देवी (BINITA DEVI) दर्ज है, जो कि सही है। अतः मेरे इण्टरमीडियेट के अंक पत्र व प्रमाण पत्र में मेरी माताजी का सही नाम बिनीता देवी (BINITA DEVI) दर्ज कर मेरा अंक पत्र व प्रमाण पत्र निर्गत किया जावे।

जानवी गुसाईं पुत्री श्री राजकुंवर सिंह गुसाईं निवासी शिब्बूनगर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड-246149।

(01097/21)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान असि0 कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार

रा0 वा0 सं0 /2019

श्रीमती झाबा देवी पत्नी उम्मेद सिंह, निवासी ग्राम–बलभद्रपुर, पट्टी–सुखरौ, तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल -- वादिनी

बनाम

1– यतेन्द्र सिंह पुत्र चन्द्र सिंह, 2– सतेन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह, 3– कुसुम देवी पत्नी स्व0 प्रीतम सिंह, 4- रजत नेगी पुत्र स्व0 प्रीतम सिंह, 5– अमन नेगी पुत्र स्व0 नरेन्द्र सिंह, 6– आशीष नेगी पुत्र स्व0 नरेन्द्र सिंह, 7– दीपक सिंह पुत्र स्व0 हरेन्द्र सिंह, 8– दलीप सिंह पुत्र स्व0 हरेन्द्र सिंह, 9- अनूप सिंह पुत्र स्व0 देवेन्द्र सिंह, 10– महेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह, 11- धीरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह, 12– सरस्वती भण्डारी पत्नी स्व0 सुल्तान सिंह, 13– अनिल कुमार पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह, 14– विजय कुमार पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह, 15– अलोक नेगी पुत्र स्व0 हारिशचन्द्र, 16– अशोक नेगी पुत्र स्व0 हारिशचन्द्र, 17– जगमोहन सिंह पुत्र स्व0 वीर सिंह, 18– रमेश सिंह पुत्र स्व0 वीर सिंह, 19– शैलेन्द्र भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी, 20– दीपक भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी, 21– आशुतोष पुत्र स्व0 रविन्द्र सिंह, 22- शांति देवी पत्नी स्व0 रविन्द्र सिंह, 23– जितेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 गम्भीर सिंह, 24– योगेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 गम्भीर सिंह, 25– विजेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 प्रफुल्ल सिंह, 26– शैलेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 अर्जुन सिंह, निवासीगण–ग्राम बलभद्रपुर पट्टी–सुखरौ तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड, 27– सहायक, नगर आयुक्त, नगर निगम, कोटद्वार गढ़वाल, 28– उत्तराखण्ड सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय पौड़ी जिला पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड - प्रतिवादीगण

हरगाह, वादीगण ने एक दावा अन्तर्गत धारा 229बी जेड0ए0 एण्ड एल0आर0 एक्ट मेरे न्यायालय में योजित किया है जिसमें उपरोक्त पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया है लिहाजा आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 18/7/2025 को प्रातः 10:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर जवाबदेही करना सुनिश्चित करें अन्यथा वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक 4/06/25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेन्ट कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार गढ़वाल

(01095/11)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान असि0 कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार

रा0 वा0 सं0 /2019

1- श्री सतेन्द्र सिंह, 2- अनूप सिंह, 3- सोहन सिंह, 4- गजेन्द्र सिंह पुत्रगण स्व0 पूरण सिंह निवासीगण ग्राम–बलभद्रपुर, पट्टी–सुखरौ, तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल -- वादीगण

बनाम

1– यतेन्द्र सिंह पुत्र चन्द्र सिंह, 2– सतेन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह, 3– कुसुम देवी पत्नी स्व0 प्रीतम सिंह, 4- रजत नेगी पुत्र स्व0 प्रीतम सिंह, 5– अमन नेगी पुत्र स्व0 नरेन्द्र सिंह, 6– आशीष नेगी पुत्र स्व0 नरेन्द्र सिंह, 7– दीपक सिंह पुत्र स्व0 हरेन्द्र सिंह, 8– दलीप सिंह पुत्र स्व0 हरेन्द्र सिंह, 9- अनूप सिंह पुत्र स्व0 देवेन्द्र सिंह, 10– महेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह, 11- धीरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह, 12– सरस्वती भण्डारी पत्नी स्व0 सुल्तान सिंह, 13– अनिल कुमार पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह, 14– विजय कुमार पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह, 15– अलोक नेगी पुत्र स्व0 हारिशचन्द्र, 16– अशोक नेगी पुत्र स्व0 हारिशचन्द्र, 17– जगमोहन सिंह पुत्र स्व0 वीर सिंह, 18– रमेश सिंह पुत्र स्व0 वीर सिंह, 19– शैलेन्द्र भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी, 20– दीपक भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी, 21– आशुतोष पुत्र स्व0 रविन्द्र सिंह, 22- शांति देवी पत्नी स्व0 रविन्द्र सिंह, 23– जितेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 गम्भीर सिंह, 24– योगेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 गम्भीर सिंह, 25– विजेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 प्रफुल्ल सिंह, 26– शैलेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 अर्जुन सिंह, निवासीगण–ग्राम बलभद्रपुर पट्टी–सुखरौ तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड, 27– सहायक, नगर आयुक्त, नगर निगम, कोटद्वार गढ़वाल, 28– उत्तराखण्ड सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय पौड़ी जिला पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड - प्रतिवादीगण

हरगाह, वादीगण ने एक दावा अन्तर्गत धारा 229बी जेड0ए0 एण्ड एल0आर0 एक्ट मेरे न्यायालय में योजित किया है जिसमें उपरोक्त पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया है लिहाजा आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 18/7/2025 को प्रातः 10:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर जवाबदेही करना सुनिश्चित करें अन्यथा वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक 4/06/25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेन्ट कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार गढ़वाल

(01094/11)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान असि0 कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार

रा0 वा0 सं0 /2019

श्री कन्हैया सिंह, श्री हरि सिंह, श्रीमती सन्तोष पत्नी स्व0 चन्द्र सिंह, श्री विनोद कुमार, जितेन्द्र, हिमांशु पुत्रगण स्व0 चन्द्र सिंह, निवासीगण ग्राम–बलभद्रपुर, पट्टी–सुखरौ, तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल -- वादीगण

बनाम

1– यतेन्द्र सिंह पुत्र चन्द्र सिंह, 2– सतेन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह, 3– कुसुम देवी पत्नी स्व0 प्रीतम सिंह, 4- रजत नेगी पुत्र स्व0 प्रीतम सिंह, 5– अमन नेगी पुत्र स्व0 नरेन्द्र सिंह, 6– आशीष नेगी पुत्र स्व0 नरेन्द्र सिंह, 7– दीपक सिंह पुत्र स्व0 हरेन्द्र सिंह, 8– दलीप सिंह पुत्र स्व0 हरेन्द्र सिंह, 9- अनूप सिंह पुत्र स्व0 देवेन्द्र सिंह, 10– महेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह, 11- धीरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह, 12– सरस्वती भण्डारी पत्नी स्व0 सुल्तान सिंह, 13– अनिल कुमार पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह, 14– विजय कुमार पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह, 15– अलोक नेगी पुत्र स्व0 हारिशचन्द्र, 16– अशोक नेगी पुत्र स्व0 हारिशचन्द्र, 17– जगमोहन सिंह पुत्र स्व0 वीर सिंह, 18– रमेश सिंह पुत्र स्व0 वीर सिंह, 19– शैलेन्द्र भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी, 20– दीपक भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी, 21– आशुतोष पुत्र स्व0 रविन्द्र सिंह, 22- शांति देवी पत्नी स्व0 रविन्द्र सिंह, 23– जितेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 गम्भीर सिंह, 24– योगेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 गम्भीर सिंह, 25– विजेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 प्रफुल्ल सिंह, 26– शैलेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 अर्जुन सिंह, निवासीगण–ग्राम बलभद्रपुर पट्टी–सुखरौ तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड, 27– सहायक, नगर आयुक्त, नगर निगम, कोटद्वार गढ़वाल, 28– उत्तराखण्ड सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय पौड़ी जिला पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड - प्रतिवादीगण

हरगाह, वादीगण ने एक दावा अन्तर्गत धारा 229बी जेड0ए0 एण्ड एल0आर0 एक्ट मेरे न्यायालय में योजित किया है जिसमें उपरोक्त पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया है लिहाजा आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 18/7/2025 को प्रातः 10:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर जवाबदेही करना सुनिश्चित करें अन्यथा वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक 4/06/25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेन्ट कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार गढ़वाल

(01093/11)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान असि0 कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार

रा0 वा0 सं0 /2019

1- श्री हरेन्द्र सिंह, 2- जीतेन्द्र सिंह पुत्रगण स्व0 राजे सिंह, 3- श्री अनिल सिंह, 4- सुनील सिंह पुत्रगण स्व0 अमर सिंह, निवासीगण ग्राम–बलभद्रपुर, पट्टी–सुखरौ, तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल -- वादीगण

बनाम

1– यतेन्द्र सिंह पुत्र चन्द्र सिंह, 2– सतेन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह, 3– कुसुम देवी पत्नी स्व0 प्रीतम सिंह, 4- रजत नेगी पुत्र स्व0 प्रीतम सिंह, 5– अमन नेगी पुत्र स्व0 नरेन्द्र सिंह, 6– आशीष नेगी पुत्र स्व0 नरेन्द्र सिंह, 7– दीपक सिंह पुत्र स्व0 हरेन्द्र सिंह, 8– दलीप सिंह पुत्र स्व0 हरेन्द्र सिंह, 9- अनूप सिंह पुत्र स्व0 देवेन्द्र सिंह, 10– महेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह, 11- धीरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह, 12– सरस्वती भण्डारी पत्नी स्व0 सुल्तान सिंह, 13– अनिल कुमार पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह, 14– विजय कुमार पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह, 15– अलोक नेगी पुत्र स्व0 हारिशचन्द्र, 16– अशोक नेगी पुत्र स्व0 हारिशचन्द्र, 17– जगमोहन सिंह पुत्र स्व0 वीर सिंह, 18– रमेश सिंह पुत्र स्व0 वीर सिंह, 19– शैलेन्द्र भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी, 20– दीपक भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी, 21– आशुतोष पुत्र स्व0 रविन्द्र सिंह, 22- शांति देवी पत्नी स्व0 रविन्द्र सिंह, 23– जितेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 गम्भीर सिंह, 24– योगेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 गम्भीर सिंह, 25– विजेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 प्रफुल्ल सिंह, 26– शैलेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 अर्जुन सिंह, निवासीगण–ग्राम बलभद्रपुर पट्टी–सुखरौ तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड, 27– सहायक, नगर आयुक्त, नगर निगम, कोटद्वार गढ़वाल, 28– उत्तराखण्ड सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय पौड़ी जिला पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड - प्रतिवादीगण

हरगाह, वादीगण ने एक दावा अन्तर्गत धारा 229बी जेड0ए0 एण्ड एल0आर0 एक्ट मेरे न्यायालय में योजित किया है जिसमें उपरोक्त पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया है लिहाजा आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 18/7/2025 को प्रातः 10:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर जवाबदेही करना सुनिश्चित करें अन्यथा वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक 4/06/25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेन्ट कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार गढ़वाल

(01096/11)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	95-DRM-MB-25-26 Dt. 09.07.2025	96-DRM-MB-25-26 Dt. 09.07.2025	97-DRM-MB-25-26 Dt. 09.07.2025	98-DRM-MB-25-26 Dt. 09.07.2025
कार्य का नाम	Heavy repair to leaky roof, improvement of waiting hall and circulating area at MTB, HBW & PNI station in the section of SSE/W/NBD under the jurisdication of ADEN/NBD.	Heavy repair to PWI store cum office at NBD, DPR and KNT under the section of ADEN/NBD.	Heavy repair of corroded pipelines and colony drains at NGG, DPR, SEO & KNT station in the section of SSE/W/NBD under the jurisdication of ADEN/NBD.	Repair to gate lodge road, surface, height gauge and other miscellaneous work related to standardization of LCs in the section of ADEN/NBD.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	12.08.2025	12.08.2025	12.08.2025	12.08.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00	16:00	16:00
अनुमानित लागत	84,92,135.15	59,88,502.90	89,91,199.12	89,88,397.69
धरोहर राशि	1,69,900.00	1,19,800.00	1,79,800.00	1,78,800.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह	6 माह	8 माह	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	29.07.2025	29.07.2025	29.07.2025	29.07.2025

टेन्डर नं. Tender No. Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक–15.07.2025 2140/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

एकल महिलाएं भी कर सकेगी स्वरोजगार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले की एकल (निराश्रित) महिलाएं भी स्वरोजगार कर सकेगी। एकल महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने में सरकार मदद करेगी। एकल महिलाएं मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का लाभ ले सकती है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए एकल महिलाएं 31 जुलाई 2025 तक आवेदन कर सकती है।

ऐसी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग की मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के तहत अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षण व ऋण दिया जाएगा। योजना के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 2 लाख तक का लोन 75 फीसदी सब्सिडी में दिया जाएगा। योजना के तहत आवेदन करने वाली महिलाओं का चयन जिला स्तरीय कमेटी द्वारा किया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने बताया कि एकल (निराश्रित) महिलाओं की आर्थिकी सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही है।

भाषण में काव्या और शशांक ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : सरस्वती विद्या मंदिर उमावि श्रीनगर में हरेला सप्ताह के तहत 22 जुलाई तक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस दौरान विद्यालय में वृक्षारोपण, भाषण, निबंध, चित्रकला, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। मंगलवार को विद्यालय में भाषण प्रतियोगिता से हरेला सप्ताह का शुभारम्भ हुआ।

पेड़ों की हरियाली के बिना मानव जीवन की कल्पना करना व्यर्थ : डबराल

एसजीआरआर लालपानी में छात्रों ने पौधा रोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हरेला पर्व की पूर्व संध्या पर मंगलवार को श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी में औषधीय, छायादार फलदार प्रजाति के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य विभाकर डबराल ने कहा कि हरेला पर्व का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण और जल संरक्षण से है, इसके लिए हम सभी को इस अभियान में मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने हरेला पर्व के बारे में बताते हुए कहा कि हरेला पर्व हरियाली का प्रतीक है। प्रकृति का सर्वश्रेष्ठ उपहार वन है। पेड़ों की हरियाली के बिना मानव जीवन की कल्पना करना व्यर्थ है। वन पृथ्वी की अमूल्य धरोहर है। पौधें लगाकर ही प्रकृति को संतुलित रखा जा सकता है। प्रधानाचार्य विभाकर डबराल के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया गया। इस दौरान अमरुद, लीची सहित फलदार और औषधीय प्रजाति के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रधानाचार्य ने छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में पौधा रोपण करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि मात्र पौधा रोपण तक सीमित न रहकर उन्हें संरक्षित और जीवंतता देना भी प्रत्येक मानव की भावना होनी चाहिए। कहा कि आज के दौर में पर्यावरण के बढ़ते प्रदूषण के खतरे से जहां भारी जल संकट का खतरा पैदा हो रहा है, वही जंगल भी समाप्त हो रहे हैं, ऐसे में इसका बड़ा खामियाजा जीव-जंतुओं को भुगतना पड़ रहा है। प्रधानाचार्य ने कहा कि पौधा रोपण करने से पर्यावरण को फायदा तो होगा ही साथ ही जल संकट से भी निजात मिलेगी। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पौधा रोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर स्थित भगवंत ग्लोबल विश्व विद्यालय व एमकेवीएन ग्रुप आफ स्कूल्स की ओर से हरेला पर्व मनाया गया। इस दौरान सदस्यों ने विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण करते हुए उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया। भगवंत ग्लोबल विवि में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिकुलपति प्रो. पीएस राणा द्वारा पौधा रोप कर किया गया। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखण्ड का लोक पर्व है जिसका सम्बन्ध प्रकृति की हरियाली से है। आज बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के कारण प्रकृति कि संरक्षण किये जाने की नितांत आवश्यकता है। आज हमें कम से कम एक-एक पेड़ लगाकर प्रकृति को स्वच्छ एवं संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। तत्पश्चात विवि के सभी कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण किया। वहीं एमकेवीएन ग्रुप के कण्वघाटी, देवी रोड़ व दुर्गापुरी स्थित विद्यालयों में हरेला पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रकाश चन्द्र कोठारी ने कहा कि पेड़, धरती के सच्चे रक्षक हैं, जो पृथ्वी के संरक्षण, भू-कटाव एवं जल संचयन में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधों को लगाने से ही प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। इसलिए सभी को पौधरोपण करना चाहिए।

जल स्रोतों के संरक्षण व संवर्द्धन के लिए जल्द बनाएं योजना

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी में स्प्रिंग एंड रिजुवनेशन अथॉरिटी (सारा) और कैच द रेन की मंगलवार को समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी सरकारी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। कहा कि जहां पेयजल संकट अधिक है, वहां जल स्रोतों का चिह्नीकरण करते हुए उनके संरक्षण व संवर्द्धन के लिए योजनाएं बनाकर जल्द क्रियान्वयन शुरू करें।

जिलाधिकारी पौड़ी स्वाति एस भदौरिया ने कहा कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों की मैपिंग कर विशेष रणनीति तैयार करें। संकटग्रस्त जल स्रोतों की रिपोर्ट भी तत्काल दी जाए व उनके संरक्षण के लिए कार्यदायी संस्थाओं का निर्धारण किया जाए। जल संग्रहण के लिए चाल-खालों के निर्माण को भी प्राथमिकता देने पर डीएम ने जोर दिया। एक करोड़ तक की योजनाओं के अनुमोदन के लिये मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के निर्देश देते हुए डीएम ने कहा कि किसी भी योजना की डीपीआर बनाते समय उसका औचित्य भी दर्ज किया जाए। सहायक नदियों के पुनर्जीवन के लिए चेकडैम, चाल-खाल, रिचार्ज पिट और तालाबों के निर्माण को जरूरी बताते हुए इस ओर ठोस प्रयास करने के निर्देश दिए।

अत्यधिक दोहन के कारण सत्वा जड़ी-बूटी विलुप्त के कगार पर

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) संस्थान की ओर से संकटग्रस्त औषधीय पादप सत्वा के संवर्धन एवं संरक्षण की पहल शुरू की गई है। आईईआरपी, जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान, कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा भारत सरकार परियोजना के तहत चमोली जनपद के नंदानगर के सुदूरवर्ती गांव कनोल और वाली ग्वाड़ में ग्रामीण पहली बार दुर्लभ जड़ी-बूटी सत्वा की खेती शुरू कर रहे हैं। उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) के निदेशक डॉ. विजयकांत पुरोहित और डा. बबीता पाटनी के दिशा-निर्देशन में किसानों को बेशकीमती औषधीय पादप सत्वा के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर किसान गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में काश्तकारों को सत्वा के कृषिकरण एवं उसके फायदों के बारे में बताया गया। साथ ही 100 पौधे किसानों को वितरित किए गये।

समलौंण प्रेरणादायक पहल : गिरीश गुणवंत

समलौंण आंदोलन की 25वीं वर्षगांठ पर समलौंण वन में रोपे पौधे

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड पौड़ी के पट्टी पैडुलस्यू के ग्राम कमेड़ा में समलौंण आंदोलन की 25वीं वर्षगांठ पर समलौंण वन में अमरूद, सन्तरा, आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के समलौण पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने कहा कि समलौण गढ़वाली भाषा का शब्द होने के साथ-साथ दिल से जुड़ने वाली पहल है, जिसमें जीवन के हर संस्कारों को समलौण पौधा रोपण कर यादगार बनाया जाना प्रेरणादायक है। उन्होंने वृक्षों के प्रति सबको जागरूक होने और उनके संरक्षण पर बल दिया। उन्होंने ढाई दशक से निरन्तर कार्य कर रही सामाजिक संस्था समलौण के संस्थापक एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम के संयोजक एवं समलौण आंदोलन की राज्य संयोजिका श्रीमती सावित्री देवी ममगाईं ने कहा कि पेड़ों के प्रति प्रेरणा मुझे आन्दोलन के संस्थापक बीरेंद्र दत्त गोदियाल से मिली, जिनके सहयोग से हमारे गांव में 30 जुलाई 2022 को वृक्ष संरक्षण दिवस के अवसर पर 180 विभिन्न प्रजातियों के फलदार समलौण पौधों का रोपण एक रीति रिवाज एवं परंपरा के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा कि समलौण संस्था का यह संकल्प है कि 30 जुलाई को वृक्ष संरक्षण दिवस घोषित हो। इस मौके पर समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, उपप्रभागीय वनाधिकारी सिविल सोयम श्रीमती राखी जुयाल, वन क्षेत्राधिकारी सिविल सोयम पौड़ी भूपेन्द्र सिंह, वन दरोगा अरविंद रावत, वन दरोगा परविन्द्र रावत, राजस्व निरीक्षक राजीव कुमार, पूर्व सैनिक राम सिंह, पीएलवी श्रीमती सोनम ममगाई

मॉडिफाइड बाइकों की आवाज शहरवासियों के लिए बना सिरदर्द

श्रीनगर गढ़वाल : सावन का महीना शुरू होते ही जल लेने पहाड़ों की ओर पहुंच रहे कांवड़ियों की मॉडिफाइड बाइकों से निकल रही तेज आवाजों के कारण स्थानीय लोग परेशान हैं। इतना ही नहीं जिन बाइकों में खुद को भोलेनाथ के भक्त बताने वाले लोग तेज बाइकों को दौड़ा रहे हैं, उनमें से अधिकतम वाहनों की स्थिति दयनीय है। बिना हेलमेट और नंबर प्लेट, तीन सवारी व बाइकों पर लगाये गए स्पीकरों से यातायात नियम की धज्जियां उड़ाकर चल रहे इन लोगों में युवक, उम्रदराज और अधेड़ सभी आयु के लोग शामिल हैं, लेकिन बेखौफ इरादों के बीच इनके द्वारा अराजकता का माहौल शहरवासियों के लिये सिरदर्द बना हुआ है। स्थानीय निवासी जगदीश प्रसाद भट्ट, अमित डुंगरियाल, रवि डोबरियाल और प्रेम बल्लभ नैथानी ने कहा कि सावन के महीने में हमेशा की तरह कांवड़ियों के दुपहिया वाहनों की तेज रफ्तार और मॉडिफाइड बाइकों के कारण ध्वनि प्रदूषण व बाजारों के निकट जाना मुश्किलों से भरा है। बताया कि अवैध रूप से रेट्रो साइलेंसर लगाकर कुछ लोग बिना रोकटोक के सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे दुर्घटना होने का भय बनने और यातायात नियमों का उल्लंघन सरेआम हो रहा है। स्थानीय लोगों ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही की मांग की है, जिससे शहर भर में अराजकता का माहौल न बन पाये। इधर, कोतवाली प्रभारी श्रीनगर जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि यातायात नियमों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। बताया कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत दुपहिया वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर, ट्रिपल राइडिंग सहित अन्य कानूनी तौर पर पुलिस नजर रख रही है। (एजेंसी)

बहुउद्देशीय भवन के निर्माण से कर्मचारियों और छात्रों को मिलेगी सुविधाएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी में बहुद्देशीय भवन के निर्माण कार्य का शुभारंभ हो गया है। महाविद्यालय में बहुउदेशीय हॉल, महिला छात्रावास, प्राचार्य, अतिथि गृह भवन का निर्माण कार्य होना है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं उत्तराखंड शासन के सहयोग से हो रहे इस नए भवन के निर्माण से निश्चित तौर पर महाविद्यालय की बुनियादी सुविधाओं का विकास होगा। इससे प्राध्यापको, कर्मचारियों के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाएं भी प्रदान की जाएगी। महाविद्यालय परिसर में निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर प्राचार्य प्रो. विजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि निर्माण कार्य का भूमिपूजन बीते महीने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने किया था। बताया कि वर्तमान में महाविद्यालय का नूतन शैक्षणिक सत्र भी शुरू हो गया है, जिसमें अधिक छात्र संख्या बढ़ने की संभावना है और आने वाले समय में स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन भी जरूरी हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस सत्र में प्रवेश के लिए महाविद्यालय में खुले पांच नए व्यावसायिक कोर्सों में छात्र-छात्राओं ने अधिक रुचि दिखाई। प्रवेश समिति के सयोजक डा. दिनेश रावत ने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं ने समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण किया है उनकी मेरिट सूची तैयार हो गई है। इस दौरान बेहतर शैक्षणिक एवं अनुशासन का माहौल तैयार करने के लिए प्राचार्य के मार्गदर्शन में सास्ता मंडल समिति का गठन भी किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डा. प्रकाश फोंदणी, पीएम ऊषा के नोडल अधिकारी डा. पुनीत चंद्र वर्मा, डा. कुमार गौरव जैन, डा. दिनेश रावत, डा. कल्पना रावत, डा. खिलाप सिंह, डा. सतवीर, डा. उर्वशी, डा. आलोक कंडारी आदि मौजूद रहे।

तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी लें नियमित अवैध खनन निरोधक दल की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला अवैध खनन निरोधक दल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में हो रहे अवैध खनन पर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को तहसील स्तर पर अवैध खनन निरोधक दल की नियमित समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने अधिकारियों को जनपद में अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए छापेमारी की कार्रवाई करने और तहसील स्तर पर नियमित बैठक कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के आदेश दिए।

जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अवैध खनन को लेकर की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए अर्थदण्ड के रूप में आरोपित धनराशि शीघ्र वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध खनन व भंडारण के लंबित मामलों के निस्तारण के लिए नोटिस जारी कर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई करने को कहा। बैठक में जिला खान अधिकारी ने बताया कि जनपद में जनवरी से जून माह तक अवैध खनन व भंडारण के 38 मामलों में कार्रवाई की गई है।

हरेला पर्व की पूर्व संध्या पर किया वृक्षारोपण

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : राजकीय महाविद्यालय सतपुली (खैरासैण) में मंगलवार को हरेला पर्व की पूर्व संध्या पर कुन्ती दयाल फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण व बीज बाल वितरण किया गया।

इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. संजय कुमार ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोक पर्व हरेला प्राणी और प्रकृति के मध्य के संबंधों को दर्शाता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रकृति और उसमें बसी हुई हरियाली मनुष्य और प्राणी मात्र के जीवन के लिए कितनी महत्त्वपूर्ण है। इस अवसर पर अवधेश उपाध्यक्ष, विपिन चन्द्र, दीप्ति माहेश्वरी, कुन्ती दयाल फाउंडेशन से नीरज शर्मा, दिनेश कंडारी, अनिता रावत, वृजमोहन सिंह रावत, जितेन्द्र रावत, विक्रम सिंह व दिगमोहन नेगी आदि मौजूद रहे।

निर्धारित प्रारूप में आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करें प्रत्याशी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय में जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशियों को आय-व्यय विवरण संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहां ने प्रत्याशियों को निर्धारित प्रारूप में आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कोषाधिकारी कार्यालय में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान सहायक कोषाधिकारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग की ओर से जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी के लिए व्यय की 2 लाख रुपये की सीमा निर्धारित की है। जिसके लिए प्रत्याशी को आय और व्यय को स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करना होगा। जिसके लिए प्रशिक्षण के दौरान बताए प्रारूप के अनुसार अपने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करना होगा। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी मौजूद थे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com